और बैजेगाँव के मिश्र कहाये रामनाथ के वंश में रामनिवाज भये उनका विवाह जिला हँसवा फतेपुर गोविंदपुर (बिलारी) में पांडेन के यहां हुआ तब से वह बिलारी में रहने लगे और उनके ४ पुत्र भये पूर्णनाथ १ जवाहिरलाल २ मुन्नूलाल ३ छोटेलाल ४ छोटेलाल कोरसम में बसे तिनके पुत्र गङ्गादीन गङ्गादीन के २ पुत्र गोकुलप्रसाद १ गदाधरलाल २ गदाधर के दो पुत्र अयोध्या प्रसाद १ गार्गीदत्त २ अयोध्याप्रसाद के १ पुत्र बदलीराम, बदली के रामनारायण, पूर्णनाथ के दो विवाह भये पहिली, स्त्री से १ पुत्र नन्दराम, दूसरी स्त्री से दो पुत्र आशादीन १ लक्ष्मणप्रसाद २ आशादीन के दो ब्याह भये पहली स्त्री से पुत्तूलाल सो तिलसहरी में बसे पुत्तूलालके २ पुत्र भये देवमणि १ छोटेलाल, आशादीन की दूसरी स्त्री से सूर्य्यप्रसाद सो भैंसौली से कानपुर में आय बसे सूर्य्यप्रसाद के १ पुत्र ईश्वरीप्रसाद ईश्वरी प्रसाद के १ पुत्र रामआसरे, नन्दराम के ४ पुत्र शिवराखन १ मथुराप्रसाद २ मातादीन ३ कालिकाप्रसाद ४ शिवराखन खजुहा के पास मौजा मिस्सी में बसे शिवराखन के १ पुत्र पं० विलासी-

राम तिनके पुत्र ३ शिवनारायण १ शिवदयाल २ रामेश्वर ३ शिवदयाल के एक पुत्र यदुनन्दन, रामेश्वर के २ पुत्र राजाराम १ लक्ष्मण प्रसाद २ मातादीन के १ पुत्र पं० बालमुकुन्द कानपुर में रहेतिन के पुत्र २ युगुलकिशोर (मन्नीलाल मिश्र कवि ❀) १ रघुनन्दनलाल २ मन्नीलाल के १ पुत्र महेशनारायण (मुन्नू) महेशनारायण के पुत्र मानवेन्द्र नारायण अखिलेश कालिका प्रसाद के पुत्र ३ पं० शिवनारायण बैद्य १ रामचरण २ पं० देवी प्रसाद ३ शिवनारायण के पुत्र गोकर्णनाथ १ देवकर्ण २ गोकर्णनाथ के ३ पुत्र चन्द्रमौलि १ बद्रीविशाल २ कैलाशनाथ ३ यह सब कानपुर में रहते हैं मुन्नू लाल के १ पुत्र मोतीलाल तिनके पुत्र २ केवलराम १ बेनीराम २ बेनीराम के दो पुत्र चंद्रिकाप्रसाद (बाबूराम) १ शिवबालक २ तिनके दो पुत्र ब्रजबिहारी १ रमाबिहारी २ चंद्रिका प्रसाद के पुत्र दो कुंजबिहारी १ रत्नबिहारी २ कुंजबिहारी के १ पुत्र श्यामबिहारीयहसबव्यापारबस जिला बाँदा लोकतरा में निवास करते हैं जवाहिर के दो पुत्र रामसहाय एक साधूराम दो रामसहाँयके पुत्र प्रयाग १ प्रयाग के दो पुत्र मुन्नीलाल १ छोटेलालदोयह सब गोबिंदपुर (बिलारी) में रहते हैं और बैजेगाँव के मिश्र हैं मधुनाथ

के एक पुत्र नृसिंहनाथ हड़हा में रहे और बैजेगाँव के मिश्र कहाये केशीके पुत्र हरीराम एक माधवराम दो ये दोनों सोठियांये के मिश्र कहाये रामनाथ के ४ पुत्र, मोहन १ कमल २ प्रजापति ३ कन्ते ४ मोहन, कमल बदरका में बसे आँकिन के मिश्र कहाये प्रजापति माँझ गांव के मिश्र और कंते निवादा में बसे और अंकिन के मिश्र भये अनिरुद्ध की पहिली स्त्री से ४ पुत्र सदा, शंकर, हंसाराम शिरोमणि, दूसरी स्त्री से १ पुत्र गङ्गा प्रसाद कन्नौज गोल मैदान अनिरुद्ध के मिश्र भये शंकर के दो पुत्र लाले, बाले, यह दोनों कन्नौज के मिश्र कहाये श्रीदत्त के १ पुत्र सुरेश्वर बाँकीपुर लावनी के मिश्र भये हरीराम के ४ पुत्र गुनी, गोवर्धन मार्कण्डेय, भवन गुनी, भवन नौगायें वाले सोठियायें के मिश्र कहाये गोर्बधन मार्कण्डेय सोठियायें के मिश्र भये माधवराम की प्रथम स्त्री से ३ पुत्र इंद्रमणि, भावनाथ, टीका दूसरी स्त्री से २ पुत्र राजाराम, बीरभद्र ये सोठियायें के मिश्र कहाये मोहन के ३ पुत्र मूके, प्रेम, तेज, ये सब मुरादाबाद में बसे और आँकिन के मिश्र कहाये प्रजापति के ६ पुत्र हीरानन्द चतुर्भुज योगे-

श्वर, सिद्धी, उर्वीधर, बदले, यह सब मांझगांव के मिश्र कहाये कंते के चार पुत्र बिद्याधर, रामदयाल, घासीराम, बीरेश्वर ये चारो निवादा में रहे आँकिन के मिश्र कहाये शिरोमणि के ३ पुत्र दत्त १ दिवाकर २ हेमनाथ ३ ये कन्नौज गोलमैदान के मिश्र भये गङ्गाप्रसाद के चार पुत्र घना, बला, सत्तीदास श्रीहर्ष, घना, बला, बोधी के मिश्र कहाये। सत्तीदास कन्नौज के मिश्र भये श्रीहर्ष गोपामऊ के मिश्र भये हीरानन्द के ६ पुत्र चाचे, देवमणि, भोले, पल्टू, कृपा, सन्तोषी ये छहों माँझगाव के मिश्र कहाये हेमनाथ के ५ पुत्र मूले, थमने, गङ्गाधर विश्वनाथ, रघुनाथ ये पाँच कन्नौज गोल मैदान के मिश्र कहाये चाचे के २ पुत्र पराशर खेम ये दोनों काकोरी में रहे और माँझगाँव के मिश्र कहाये भूले के पुत्र १ कमलभाल सो पिहानी के मिश्र भये गङ्गाधर की पहिली स्त्री से ३ पुत्र बन्दन १ गुलाल २ भगोले ३ ये सब कन्नौज गोल मैदान के मिश्र कहाये दूसरी स्त्री से ४ पुत्र शम्भू १ वेदनाथ २ माधो ३ हरिनाथ ४ यह सब दरौली में रहे और कन्नौज गोल मैदान के मिश्र विख्यात हुए।

कात्यायन गोत्र मिश्रों का स्थान असामी विस्वा

स्थान	असामी	विस्वा
कंजपुर के	गार्गीदत्त	१०
बदरका के	ऐंड़े	१५
कंजपुर के	खट्टे	१०
" "	मीठे	"
" "	दिउता	"
" "	गोविन्द	"
बदर्कावना टोला	मोहन	१४
"	काशीनाथ	१६
"	जगन्नाथ	"
"	विश्वनाथ	"
"	पीथा	१०
"	महाशर्म	"
जगदीशपुर	राधारमन	१४
सिरकिड़ा	सूर्यप्रसाद	१०
सरवर के	दयाराम	"
पत्यौंरा के	सेवाराम	८
नेथुवा के	गुलजारी	१०
बैजेगांव	पवननाथ	१६
पासीखेरा	लोकनाथ	१५
गलाथे के	विश्वनाथ	१०
" "	चिन्तामणि	१३
स्थान	असामी	विस्वा
बदर्कावनाटोला	वेदमूर्ति	१४
"	कमलनयन	१३
"	मांधाता	१४
बरुआ	विज्ञानेश्वर	१५
नलहापुर	भगवत	६
बैजेगांव	मुरलीधर	१६
"	मल्लिनाथ	"
"	गोपीनाथ	"
"	मधुनाथ	"
पासीखेरे के	मधुसूदनाथ	१५
गलाथे के	काशीनाथ	१३
"	रतिनाथ	१४
	नीलकंठ	"
" "	शम्भूनाथ	१३
रामपुर के	केशरी	५
सेठियायं के	केशी	२
आंकिन के	रामनाथ	१६
कन्नौजगोलमैदान	अनिरुद्ध	२०
लवानी	श्रीदत्त	१२
बदूसराय	भावनाथ	१६
पाली बैजेगांव के	रामनाथ	२०

स्थान	असामी	बिस्वा
हड़हा बैजेगांव	नृसिंहनाथ	१४
सेाठियाँय	हरीराम	१७
,,	माधौराम	१८
बदर्का आंकिन के	मेाहन	२०
,	कमल	,,
मांझगांव के	प्रजापति	,,
निवादा आंकिन के	कन्ते	१८
अनिरुद्ध कन्नौज—		
(गोल मैदान)	सदाशङ्कर	२०
,,	हंसराम	,,
,,	शिरोमणि	,,
,,	गङ्गाप्रसाद	१८
,,	लाले	२०
,,	बाले	,,
बांकीपुरलवानीके	सुरेश्वर	१२
नौगांवसेाठियांये के	गुनी	१७
सेाठियांये के	गेावर्धन	२०
,,	मार्कंडेय	१८
नौगांवसेाठियाँये के	मदन	१७
सेाठियाँये के	इन्द्रमणि	१९
,,	भावनाथ	१८
,,	टीकाराम	१९
,,	राजाराम	१८
,,	वीरभद्र	,,

स्थान	असामी	बिस्वा
मुरादाबाद आंकिन के	मूके	२०
,	प्रेम	,,
,,	तेज	,,
मांझगाँव	हीरानन्द	,,
,,	चतुर्भुज	,,
,,	योगेश्वर	,,
,,	सिद्धी	,,
,,	उर्वीधर.	,,
,,	बदले	,,
निवादाआंकिनके	विद्याधर	१७
,, ,,	रामदयाल	१६
,, ,,	पार्सीराम	,,
,, ,,	वीरेश्वर	१८
कन्नौज गोल मैदान		
(अनिरुद्ध)	दत्त	१९
,,	दिवाकर	,,
,,	हेमनाथ	,,
बोधी के	घना	१०
,, ,,	बला	,,
कन्नौज	सतीदास	१५
गोपामऊ	श्रीहर्ष	१०
काकोरी मांझगांव के	पा[illegible]	[illegible]
मांझगांव के	देवमणि	,,

स्थान	असामी	बिस्वा
मांझगांव के	मोखे	१८
काकोरी मांझगांव के	पलटू	१६
मांझगांव के	कृपा	२०
काकोरी मांझगांव के	सन्तोषी	१६
कन्नौज गोल मैदान (अनिरुद्ध)	मूले	१६
,,	धमने	,,
,,	गङ्गाधर	,,
,,	बिश्वनाथ	,,
,,	रघुनाथ	,,
काकोरीमांझगांव	पराशर	१८
,,	खेम	१८
पिहानी के	कमलमाल	१०
कन्नौज गोल मैदान (अनिरुद्ध)	नन्दन	१६
,,	गुलाल	,,
,,	मगोले	,,
दरौली के	शम्भू	,,
,,	वेदनाथ	,,

स्थान	असामी	बिस्वा
दरौली के	माधव	१६
दरौली के	हरिनाथ	,,

इति मिश्राः ।

कात्यायन गोत्र दुबे ।

स्थान	असामी	बिस्वा
टिकरिया के	चतुर्भुज	५
सिरकिड़ा के	गैंड़े	१०
परौंजा के	भवानी	७

इति दुबे ।

कात्या० अग्निहोत्री

स्थान	असामी	बिस्वा
राजापुर के	अनन्तराम	१०
बदरका के	मथुरा	५
बिहगांव के	अयोध्या	१०
मोतीपुर के	प्रयाग	३
चांदापुर के	कृपा	८

इति अग्निहोत्री ।

❀ कात्यायनगोत्रं समाप्तम् ❀

कश्यप गोत्रस्य वृत्तांत्तम्

प्रथम नारायण की नाभि से ब्रह्मा भये तिनके पुत्र मरीच तिनके कश्यप तिनके अनराय तिनके तप्त तिनके द्विजह्नू तिनके पुत्र देवल भये देवल काश्मीर में रहे पश्चात भदावर में आये तब वहाँ के नरेश ने देवल को स्वगुरु बनाया और सत्कार करने लगे राजा की प्रसन्नता से देवल भदावर में रहे उन्हीं देवल के पुत्र आशादत्त परम विद्वान् भये तीन बेद पढ़ने से तिवारी (त्रिपाठी) कहाये इनको शिवराजपुराधिप ने अपना पुरोहित बनाया। एक समय वहाँ के राजा ने यज्ञ किया यज्ञ दक्षिणा में शिवराजपुर सहित साढ़े दश गाँव दिये इसी से चिंगसपुर त्रिपाठी आधा घर कहाते हैं परन्तु प्रतिष्ठा सब भाइयों की बराबर है आशादत्त जी के ११ पुत्र भये प्रथम पुत्र धनीराम मनोह में बसे दूसरे काशीराम बरुआ में तीसरे राजाराम सखरेज में चौथे वंश गोपाल गौरी में पांचवें लोकनाथ शिवराजपुर में छठवें बन्दीराम शिवली में सतयें परमानन्द उमरी में अठयें सुखानन्द पचोर में नवयें हरीराम हरबंशपुर में दशयें चन्दन गूदरपुर में ग्यारहें नन्दराम आधे चिंगसपुर में बसे यह सब